सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी (केन्द्रिक) सेट-1
(बाहरी दिल्ली) 2017

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (15)

दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं, इस बात पर प्रायः बहस होती है। कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी कर लेता है, जिससे उसे अक्सर कार्य में असफलता प्राप्त होती है। वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है। दबाव को यदि ताकत बना लिया जाए, तो न सिर्फ़ सफलता प्राप्त होती है, बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मापदंड रचता है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं जब लोगों ने अपने काम के दबाव को अवरोध नहीं, बल्कि ताकत बना लिया। 'सुख-दुख, सफलता-असफलता, शान्ति-क्रोध और क्रिया-कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है।' जोस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक यू द हीलर में लिखते हैं कि मन-मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। इस तरह शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है।
दबाव में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करे, तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है। दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केंद्रित करने और बोझ महसूस करने की बजाय यदि यह सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली हैं, जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर हैं, तो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जागृत हो उठती हैं। हमारा दिमाग जिस चीज़ पर भी अपना ध्यान केंद्रित करने लगता है, वह हमें बढ़ती प्रतीत होती है। यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे, तो वे और बड़ी होती महसूस होंगी। अगर अपनी शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, तो वे भी बड़ी महसूस होंगी। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि 'जीतना एक आदत है, पर अफ़सोस ! हारना भी आदत ही है।'

(क) दबाव में काम करने के नकारात्मक प्रभाव समझाइए। (2)

(ख) दबाव हमारी सफलता का कारण कब और कैसे बन सकता है? (2)

(ग) दबाव में सकारात्मक सोच क्या हो सकती है? स्पष्ट कीजिए। (2)

(घ) काम करने की प्रक्रिया में मन, मस्तिष्क और शरीर के संबंध को अपने शब्दों में समझाइए। (2)

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए : जीतना एक आदत है, पर अफ़सोस ! हारना भी आदत ही है।' (2)

(च) गद्यांश के केंद्रीय भाव को लगभग 20 शब्दों में लिखिए। (2)

(छ) अपनी क्षमताओं को जगाने में या समस्याओं को बड़ा महसूस करने में हमारी सोच की क्या भूमिका है? (2)

(ज) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

उत्तर- (क)

- कार्य में असफलता
- मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित होना

(ख)

- दबाव में सकारात्मक होकर कार्य करने पर/दबाव को शक्ति बनाकर
- कामयाबी के नए मापदंड रचकर

(ग)

- समस्या पर ध्यान केंद्रित करना
- स्वयं को सौभाग्यशाली मानना
- काम को बोझ न समझना
- कार्य को कठिन चुनौती के रूप में स्वीकार करना
  (कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)

(घ)

- मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को
- शरीर मन के आदेश का पालन करता है।
  (परीक्षार्थियों की सहज अभिव्यक्ति को महत्व दें)

(ङ)

- जीत प्रबल इच्छाशक्ति का परिणाम है।
- हार प्रयासहीनता और नकारात्मक सोच का

(च)

- दबाव के प्रति सकारात्मक सोच रखें।
- अपनी क्षमता पर विश्वास रखें।

- नकारात्मकता को हावी न होने दें।
- जीत और हार को समान भाव से स्वीकारें
  (किन्हीं दो बिंदुओं का समावेश करते हुए उत्तर अपेक्षित)

(छ) दोनों के लिए सकारात्मक और नकारात्मक सोच उत्तरदायी है। सोच के अनुरूप फल की प्राप्ति

(ज)

- मानसिक दबाव - एक ताकत
- मानसिक दबाव - एक समस्या
- दबाव का परिणाम
  (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (1×5=5)

मन-दीपक निष्कंप जलो रे !

सागर की उताल तरंगें,

आसमान को छू-छू जाएँ

डोल उठे डगमग भूमंडल

अग्निमुखी ज्वाला बरसाए

धूमकेतु बिजली की द्युति से,

धरती का अंतर हिल जाए

फिर भी तुम ज़हरीले फन को

कालजयी बन उसे दलो रे !

कदम-कदम पर पत्थर, काँटे

पैरों को छलनी कर जाएँ

श्रांत-क्लांत करने की आतुर

क्षण-क्षण में जग की बाधाएँ

मरण गीत आकर गा जाएँ

दिवस-रात, आपद-विपदाएँ

फिर भी तुम हिमपात तपन में

बिना आहचुपचाप जलो रे !

(क) कविता किसे संबोधित है और उसे क्या करने को कहा गया है?

(ख) कालजयी बनकर कैसी बाधाओं का दलन करने को कहा गया है?

(ग) पत्थर, काँटे किसके प्रतीक हैं? वे क्या कर सकते हैं?

(घ) धरती का अंतर कैसे, क्यों हिल जाता है?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए : 'मन-दीपक निष्कंप जलो रे !'

उत्तर- (क)

- मन/साहसियों/कर्मवीरों/नवयुवकों को
- विपरीत परिस्थितियों पर विजय पाने के लिए

(ख) जीवन की विभिन्न बाधाएँ/प्रतिकूल परिस्थितियाँ/बुराइयाँ

(ग)

- बाधाओं के
- अवरोध उत्पन्न

(घ)

- धूमकेतु बिजली की द्युति से/विषम परिस्थितियों से
- प्राकृतिक/भावनाओं के उथल-पुथल के कारण

(ङ) जीवन में अभय होकर आगे बढ़ना/मन की आशा और विश्वास को बनाए रखते हुए कर्म करना

खण्ड-'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: (5)

(क) पड़ोसी देश

(ख) मनोरंजन की दुनिया

(ग) विकास के पथ पर भारत

(घ) नारी-सशक्तीकरण

उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित:

- प्रस्तावना/भूमिका एवं उपसंहार
- विषय-वस्तु
- भाषा

4. निकट के शहर से आपके गाँव तक की सड़क का रख-रखाव संतोषजनक नहीं है। मुख्य अभियंता, लोक-निर्माण विभाग को एक पत्र लिखकर तुरन्त कार्यवाही का अनुरोध कीजिए। समस्या के निदान के लिए एक सुझाव भी दीजिए। (5)

उत्तर- पत्र-लेखन:

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ (1)
- विषय-वस्तु (3)
- भाषा (1)

अथवा

किसी पर्यटन स्थल के होटल के प्रबंधक को निर्धारित तिथियों पर होटल के दो सुइट् (कमरे) आरक्षित करने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए। पत्र में उन्हें कारण भी बताइए कि आपने वही होटल क्यों चुना।

उत्तर- पत्र-लेखन:

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ
- विषय-वस्तु
- भाषा

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए: (1×5=5)

(क) संचार का महत्व दो बिन्दुओं में समझाइए।

(ख) 'समाचार' शब्द को परिभाषित कीजिए।

(ग) इंटरनेट पत्रकारिता के दो लाभ लिखिए।

(घ) 'फ़ोन इन' का आशय समझाइए।

(ङ) समाचार-लेखन के छह ककार क्या हैं?

उत्तर- (क) संक्षिप्त उत्तर-

- घटना की जानकारी शीघ्रता से पहुँचाना
- एक-दूसरे को जोड़ने का माध्यम
- ज्ञान में वृद्धि
- भौगोलिक दूरियों को कम करने का साधन
  (कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)

(ख) घटना का तथ्यपरक विवरण जिसमें अधिक लोगों की रुचि और लोगों पर उसका प्रभाव

(ग)

- व्यापकता एवं गति
- श्रव्य-दृश्य का सशक्त माध्यम
- प्रत्येक क्षण निःशुल्क अपडेट करने की सुविधा
- अनेक माध्यमों की सुविधा एक ही माध्यम में
  (कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)

(घ) एंकर द्वारा रिपोर्टर से फोन पर बात करके सूचनाएँ दर्शकों तक तुरंत पहुँचाना

(ङ) क्या, कौन/किसके साथ, कहाँ, कब, क्यों और कैस

6. 'स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत' अथवा 'वन रहेंगे : हम रहेंगे' विषय पर एक फ़ीचर लिखिए। (5)

उत्तर- किसी एक फीचर पर लेखन-

- विषय - वस्तु
- अभिव्यक्ति
- भाषा

7. 'भ्रूण-हत्या की समस्या' अथवा 'बेमेल विवाह' विषय पर एक आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- किसी एक आलेख पर लेखन-

- विषय - वस्तु
- प्रस्तुति
- भाषा

खण्ड-'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×4=8)

अट्टालिका नहीं हैं रे

आतंक-भवन

सदा पंक पर ही होता

जल-विप्लव प्लावन

क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से

सदा छलकता नीर

रोग-शोक में भी हँसता है

शैशव का सुकुमार शरीर।

(क) कवि अट्टालिकाओं को आतंक-भवन क्यों मानता है?

(ख) 'पंक' और 'विप्लव' का प्रतीकार्थ क्या है?

(ग) 'जलज' किसे मानेंगे? उसके विशेषणों के प्रयोग सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

(घ) काव्यांश का केंद्रीय भाव समझाइए।

उत्तर- (क)

- अट्टालिकाओं में धनाढ्य वर्ग रहते हैं।
- गरीबों के शोषण की नीतियों का केंद्र

(ख)

- पंक - शोषण का
- विप्लव - क्रांति का

(ग)

- 'जलज' - समाज का वंचित तबका/शोषित वर्ग
- नगण्य, तुच्छ होते हुए भी शोषित वर्ग का प्रसन्नचित्त होना

(घ)

- शासकों के भवन आतंक के डेरे हैं।
- क्रांति से शोषक वर्ग भयभीत एवं शोषित वर्ग प्रसन्नचित्त है।

अथवा

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है

जितना भी उँड़ेलता हूँ,

भर-भर फिर आता है

दिल में क्या झरना है?

मीठे पानी का सोता है

भीतर वह, ऊपर तुम

मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात भर

मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है।

(क) 'तुम', 'तुम्हारा' सर्वनाम किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं? आप ऐसा क्यों मानते हैं?

(ख) उस 'अनजान रिश्ते' पर टिप्पणी कर बताइए कि उसका कवि पर क्या प्रभाव पड़ रहा है।

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए:
"दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है"

(घ) काव्यांश के आधार पर कवि की मनःस्थिति पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर- (क)

- माँ, पत्नी, प्रेमिका, ईश्वर किसी के लिए भी

- क्योंकि कविता में अनेक संभावनाएँ हैं।

(ख)

- कवि उसके प्रेम में डूबा है जिसकी वजह से उदास पलों में भी प्रसन्न रहता है।
- उसकी स्मृतियों से बाहर नहीं आ पाता

(ग) उसके हृदय में इतना प्रेम और माधुर्य है, जो समाप्त ही नहीं होता।

(घ) संबोध्य के प्रति असीमित प्रेम की उपस्थिति से आश्चर्यचकित।

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×3=6)

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी

हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी

रह-रह के हवा में जो लोका देती है

गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी।

(क) काव्यांश किस छंद में है? उसका लक्षण बताइए।

(ख) काव्यांश में रूपक अलंकार के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ग) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- (क)

- रूबाई छंद
- चार पंक्तियों के छंद में पहली, दूसरी व
- चौथी पंक्ति में तुक, तीसरी पंक्ति स्वतंत्र
  (विद्यार्थियों द्वारा छंद का उल्लेख करने पर भी पूर्ण अंक दिए जाएँ।)

(ख)

- पुत्र को चाँद का टुकड़ा कहना – रूपक
- उपमेय-उपमान के अभेद आरोप के कारण संतान का महत्व व खूबसूरती बढ़ गई

(ग)

- सरल, चित्रात्मक, आलंकारिक भाषा
- 'लोका देती' देशज प्रयोग

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3+3=6)

(क) 'बच्चन' के संकलित गीत में दिन ढलते समय पथिकों और पक्षियों की गति में तीव्रता और कवि की गति में शिथिलता के कारण लिखिए।

(ख) बात की चूड़ी मरने और उसे सहूलियत से बरतने से कवि का क्या अभिप्राय है? बात सीधी थी पर कविता के आधार पर लिखिए।

(ग) "'धूत कहो, अवधूत कहौ….' सवैये में तुलसीदास का स्वाभिमान प्रतिबिंबित होता है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर- (क)

- प्रतीक्षारत प्रियजनों का ध्यान और शीघ्रता से मंजिल तक पहुँचने के लिए
- स्वयं की एकाकी दशा/प्रेम में किसी प्रतीक्षा करने वाले का न होना

(ख)

- बात को प्रभावी ढंग से न कह पाना
- कथ्य के अनुसार भावानुकूल सरल, सहज शब्दों का प्रयोग

(ग)

- अनासक्त तुलसी का आलोचना की चिंता से रहित होना
- स्वांतः सुखाय के लिए कार्य करना
- जाति-पाँति और धार्मिक आग्रहों से ऊपर उठकर सोचना

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं। मानों दोनों एक-दूसरे को ठगने की घात में हों। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है और यह बाज़ार का, बल्कि इतिहास का; सत्य माना जाता है। ऐसे बाज़ार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता; बल्कि शोषण होने लगता है, तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है। ऐसे बाज़ार मानवता के लिए विडंबना हैं।

(क) सद्भाव का ह्रास कब होता है? उसके क्या परिणाम होते हैं?

(ख) स्वभाव में ग्राहक-विक्रेता व्यवहार क्यों आ जाता है? इसके लक्षण क्या हैं?

(ग) 'ऐसे बाज़ार को' कथन से लेखक का क्या तात्पर्य है? वे मानवता के लिए विडंबना क्यों हैं?

(घ) इस गद्यांश में आज की उपभोक्तावादी प्रवृत्ति की क्या-क्या विशेषताएँ दिखाई पड़ती हैं?

उत्तर- (क)

- ग्राहक एवं बेचक तक संबंध सीमित रह जाना
- एक की हानि में दूसरा अपना लाभ देखता है/भाईचारा समाप्त हो जाना

(ख)

- अपने लाभ के लिए
- आत्मीयता का समाप्त होना, कपट बढ़ना

(ग)

- जहाँ आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं, अपितु शोषण होता है।
- कपट को बढ़ावा, निष्कपट का शोषण, आपसी सद्भाव का ह्रास

(घ)

- सद्भाव का ह्रास
- ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार
- एक की हानि में दूसरे का अपना लाभ देखना
- शोषण और कपट का भाव बढ़ना
  (कोई भी दो बिंदु अपेक्षित।)

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×4=12)

(क) भक्तिन लाट साहब तक लड़ने को तत्पर क्यों थी? इससे उसके स्वभाव की कौन-सी विशेषता उजागर होती है?

(ख) चार्ली चैप्लिन के व्यक्तित्व को निखारने में उसके व्यक्तिगत जीवन के संघर्षों का बड़ा हाथ है। सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

(ग) भारत-पाक के वर्तमान संबंधों को देखते हुए 'नमक' कहानी के संदेश की समीक्षा कीजिए।

(घ) हजारीप्रसाद द्विवेदी के द्वारा नेताओं और कुछ पुराने व्यक्तियों की अधिकार लिप्सा पर किए गए व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का एक रूप न मानने के पीछे डॉ. आंबेडकर के तर्कों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- (क)

- जेल यात्रा में अपनी मालकिन के साथ न जाने दिए जाने पर नाराज़ होने के कारण
- मालकिन के प्रति स्वामीभक्ति एवं भावनात्मक संबंध

(ख)

- गरीब, परित्यक्ता, मानसिक रूप से विक्षिप्त माँ
- पूँजीपति वर्ग द्वारा तिरस्कृत
- सामाजिक, आर्थिक प्रतिकूलताएँ

(ग)

- सामान्य जनता धर्म या क्षेत्र के आधार पर राजनीतिक विभाजन या संघर्ष को हृदय के स्तर पर स्वीकार नहीं करती
- वर्तमान संबंधों को देखते हुए हालात में सुधार की सार्थक एवं सकारात्मक पहल की जानी चाहिए
- जब तक दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष एक होने की इच्छा नहीं रखेंगे, तब तक असंभव

(घ)

- प्रकृति के नियमानुसार पुराने व जीर्ण-शीर्ण को नीचे गिरना होता है।
- अधिकांश पद-लोलुप अपने पदों को छोड़ना नहीं चाहते
- नई पीढ़ी को अवसर नहीं देते

(ङ)

- जाति-प्रथा के मूल में अस्वाभाविक श्रम-विभाजन
- रुचि, क्षमता व प्रतिभा की उपेक्षा
- निर्धारित कार्य/ पेशे को स्वीकार करने की बाध्यता

13. पुराने होते जा रहे जीवन-मूल्यों और नए प्रचलनों के बीच यशोधर पंत के संघर्ष पर प्रकाश डालिए। (5)

उत्तर- पुराने जीवन मूल्य -

- भाईचारा व प्रेम बनाए रखना
- किसी भी कीमत पर रिश्तेदारी निभाना व टूटने से बचाना
- बुजुर्गों का सम्मान
- परंपराओं का निर्वहन
- संयुक्त परिवार और संस्कारों को महत्व देना

- संतोषपूर्ण जीवन

नए प्रचलन -

- भाईचारे और प्रेम को मूर्खतापूर्ण मानना
- रिश्तेदारी निभाने को घाटे का सौदा मानना
- बुजुर्गों का तिरस्कार
- पाश्चात्य संस्कृति को अपनाना
- एकल परिवार को महत्व देना
- किसी भी तरह धन कमाना
- यशोधर पंत स्वयं पुराने जीवन-मूल्यों का निर्वाह करते हैं किंतु उनकी संतानें व पत्नी उनका पुरजोर विरोध करते हैं। इसी संघर्ष में पिसते हुए उनका जीवन-चक्र चलता है।
  (किन्हीं चार-चार बिंदुओं के आधार पर उत्तर स्वीकार्य)

14. (क) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (5)

(ख) अध्यापक के रूप में सौंदलगेकर के चरित्र की विशेषताओं पर 'जूझ' पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए। (5)

उत्तर- (क)

- राज व धर्मपोषित न होकर समाज पोषित
- नगर नियोजन
- अन्न-भंडारण की उत्तम व्यवस्था
- कला-प्रियता - वास्तुकला, धातु व पत्थर की मूर्तिकला, चित्रकला आदि
- औजारों का मिलना किंतु हथियारों का न मिलना।
  (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

(ख)

- आदर्श अध्यापक
- अध्यापन कार्य के प्रति समर्पण
- कविता रचने की कला
- लय, छंद का ज्ञान
- विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की ललक
  (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)